



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, वीरवार, 9 दिसम्बर, 1993/18 अग्रहायण, 1915

हिमाचल प्रदेश सरकार

तकनीकी शिक्षा, व्यवसायिक एवम् औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 23 नवम्बर, 1993

संख्या एस० टी० वी० (टी० ई०) ए०(3) 9/3 7-I.—भारत के राष्ट्रपति, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा, व्यवसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग में संयुक्त निदेशक (तकनीकी शिक्षा) (वर्ग-I राजपत्रित) पद के लिए अधिसूचना से संलग्न उपाबंध 'अ' के अनुसार भर्ती और प्रोन्नति नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा, व्यवसायिक

एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग संयुक्त निदेशक (तकनीकी शिक्षा, व्यवसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण) (वर्ग-I राजपत्रित) पद भर्ती और प्रोन्नति नियम, 1993 है।

(2) ये नियम तुरन्त प्रभाव से प्रवृत्त होंगे।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-

आयुक्त एवं सचिव।

उपाबन्ध 'अ'

हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा, व्यवसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग में संयुक्त निदेशक (तकनीकी शिक्षा) पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियम।

- | | |
|--|--|
| 1. पद का नाम | संयुक्त निदेशक (तकनीकी शिक्षा) |
| 2. पदों की संख्या | 1 (एक) |
| 3. वर्गीकरण | वर्ग-I (राजपत्रित) |
| 4. वेतनमान | रु 4125-125-5000-5600 |
| 5. चयन पद अथवा अचयन पद | चयन |
| 6. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु। | लागू नहीं |
| 7. सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित न्यूनतम शैक्षणिक/अन्य अर्हताएं। | लागू नहीं |
| 8. सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये विहित आयु और शैक्षणिक अर्हतायें प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं। | लागू नहीं |
| 9. परिवीक्षा की अवधि यदि कोई हो | दो वर्ष जिसका एक वर्ष से अधिक और अवधि के लिए विस्तार किया जा सकेगा जैसा सक्षम प्राधिकारी विशेष परिस्थितियों में और लिखित कारणों से आदेश दें। |
| 10. भर्ती की पद्धति सीधी होगी या प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता। | शत प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा |
| 11. प्रोन्नति/प्रतिनियुक्तियों, स्थानान्तरण की दशा में श्रेणियों जिनमें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण किया जाएगा। | प्रधानाचार्य, बहुतकनीकी जिनके ग्रेड में 3 वर्ष का नियमित सेवाकाल या (31-3-91) तक की गई लगातार तदर्थ सेवा को सम्मिलित करके संयुक्त नियमित सेवाकाल, यदि कोई हो, में से प्रोन्नति द्वारा। |

टिप्पणी-1.—प्रोन्नति को सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से वर्ष सम्भरण पर में 31-3-91 तक की गई तदर्थ

सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथा विहित सेवा काल के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, ली जाएगी:—

- (क) उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पत्र में अपने कुल सेवाकाल (31-3-91 तक की गई तदर्थ सेवा को सम्मिलित करके) के आधार पर उपयुक्त निश्चित उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है, वहां उससे अपने प्रवर्ग/पद/कैडर में वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किये जाने के पात्र समझे जाएंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रख जाएंगे:

परन्तु उन सभी पदाधारियों की जिनकी प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है, कम से कम, तीन वर्ष की न्यूनतम ग्रहणाएँ सेवा या पद के शर्तों एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम हो होनी चाहिए :

परन्तु यह और भी कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की प्रपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किये जाने सम्बन्धि विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी प्रोन्नति के विचार लिए अपात्र समझा जाएगा।

स्पष्टीकरण.—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत, कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जाएगा, यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है, जिसे डिमोबिलाइज्ड ग्रामेंड कोमिस परसोनल (रिजर्वेशन आफ वैकेंसिज इन हिमाचल स्टेट नान-टेकनीकल सर्विसिज) रूलज, 1972 के नियम 3 के उपबन्धों के अधीन भर्ती किया गया हो और इसके अधीन ज्येष्ठता का लाभ दिया गया हो या एक्स-सर्विसमैन (रिजर्वेशन आफ वैकेंसीज इन दी हिमाचल प्रदेश टेकनीकल सर्विसिज) रूलज, 1985 के नियम 3 के उपबन्धों के अधीन भर्ती किया गया हो तथा तदधीन ज्येष्ठता का लाभ दिया गया हो।

- (ख) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व 31-3-1991 तक सम्भरण पद पर की गई तदर्थ सेवा यदि कोई हो, सेवा काल के लिए गणना में ली जायेगी :

परन्तु 31-3-91 तक तदर्थ सेवा की गणना में लेने के पश्चात जो स्थायीकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक ज्येष्ठता अपरिवर्तित रहेगी।

टिप्पणी-2.—जब कभी नियम के अनुसार पदों में बढ़ौतरी

अथवा गमी होती है तो नियम 10 और 11 के उपबन्ध सरकार द्वारा लोहा आयोग के परामर्श से पुनरीक्षित किये जायेंगे।

12. यदि विभागीय प्रोन्नति समिति विश्रामन हो तो उसकी संरचना।

जैसी कि सरकार द्वारा समय-समय पर संरचना की जाए।

13. भर्ती करने में जिन-जिन परिस्थितियों में हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा।

जैसा कि विधि द्वारा अपेक्षित है

14. सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षा।

लागू नहीं

15. सीधी भर्ती द्वारा पद पर नियुक्ति के लिए चयन

लागू नहीं

16. आरक्षण

उक्त सेवा से नियुक्ति, हिमाचल प्रदेश द्वारा समय-समय पर अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों/पिछड़े वर्गों और अन्य प्रवर्गों के व्यक्ति के लिए सेवाओं में आरक्षण की वाबत जारी किये गए आदेशों के अधीन होगी।

17. विभागीय परीक्षा

1. सेवा में प्रत्येक सदस्य की समय-समय पर यथा संशोधित विभागीय परीक्षा नियम, 1976 में यथा विहित विभागीय परीक्षा पास करनी होगी अन्यथा वह निम्नलिखित के लिए पात्र नहीं होगा :—

(i) आगामी देय दक्षतारोप पार करने के लिए,

(ii) परीक्षा अवधि के पूर्ण होने के पश्चात् भी स्थाईकरण के लिए; और

(iii) अगले उच्च पद पर प्रोन्नति के लिए:

परन्तु उस अधिकारी से जिसने इन नियमों के अधिसूचित किये जाने से पूर्व किन्हीं नियमों में विहित पूर्णतया या अंशतः विभागीय परीक्षा पास की है, यथास्थिति पूर्णतः या अंशतः परीक्षा पास करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी :

परन्तु यह और कि ऐसे अधिकारी से जिस के लिए उन नियमों के अधिसूचित किये जाने से पूर्व कोई विभागीय परीक्षा विहित नहीं की गई थी और जिसने 1 मार्च, 1976 को 45 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली हो, उसने उन नियमों के अधीन विहित (विभागीय) परीक्षा पास करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी :

परन्तु यह और भी कि ऐसे अधिकारी के नियमों के लिए इन नियमों के अधिनियमित किये जाने से पूर्व काई विभागीय परीक्षा विहित नहीं की गई थी और नियम 1 मार्च, 1976 को 45 वर्ष की आयु प्राप्त नहीं की थी उससे 50 वर्ष की आयु के पश्चात् निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए विभागीय परीक्षा पास करने की अपेक्षा नहीं की जायगी :—

- (i) आगामी देश दशनाग्रेष्ठ पार करने के लिए, और
- (ii) परीक्षा अवधि पूर्ण होने के पश्चात् स्थायीकरण के लिए।

2. किसी अधिकारी से अपनी प्रोमोशन की सीधी पंक्ति में उच्चतर पद पर प्रोमोशन पर उपयुक्त परीक्षा पास करने की अपेक्षा नहीं की जायगी यदि उसने निम्नतर राजपत्रित पद पर ऐसी परीक्षा हो उस को है।
3. सरकार, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के समक्ष से अनाधारण अधिनियमों में और, कर्मियों को अधिनियमित करके विभागीय परीक्षा नियमों के अनुसार किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों को विभागीय परीक्षा में प्रवेश/या भागदा हट संकर कर सकते हैं परन्तु यह तक जब कि ऐसे अधिकारी पर उनकी अधिनियमों की आयु प्राप्त करने की तारीख से पूर्व किसी इन उच्चतर प्रोमोशन के लिए विचार किया जाना सम्भव नहीं हो।

18. शिथिल करने की शक्ति

जहां राज्य सरकार को यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक है या समीचीन है तो यह कर्मियों को अधिनियमित करके और लोक सेवा आयोग के परामर्श से आदेश द्वारा या इन नियमों के किसी उपबन्धों को किसी वर्ग या व्यक्तियों के उच्चतर पदों की वावत शिथिल कर सकते हैं।

[Authoritative English text of this Department Notification No. STV/TE/A(3)9 S-I, dated 23-11-1993 as required under Article 348 (3) of the Constitution of India.]

TECHNICAL EDUCATION, VOCATIONAL AND INDUSTRIAL TRAINING DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171002, the 23rd November, 1993

No. STV (TE)A(3) 9/87-I.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 300 of the Constitution of India, the President of India in consultation with the Himachal Pradesh

Public Service Commission. is pleased to make the Recruitment and Promotion Rules for the post of Joint Director (Technical Education) (Class-I Gazetted) in the Department of Technical Education, Vocational and Industrial Training, Himachal Pradesh as per Annexure-A attached to this notification. namely :—

1. *Short title and commencement.* (1) These rules may be called the Himachal Pradesh, Technical Education, Vocation and Industrial Training) Department, Joint Director (Technical Education, Vocational and Industrial Training) (Class-I, Gazetted) Recruitment and Promotion, Rules, 1973.

(2) These shall come into force with immediate effect.

By order,

Sd/-

Commissioner-cum-Secretary.

ANNEXURE-A

RECRUITMENT AND PROMOTION RULES FOR THE POST OF JOINT DIRECTOR IN THE DEPARTMENT OF TECHNICAL EDUCATION, VOCATIONAL AND INDUSTRIAL TRAINING, HIMACHAL PRADESH

- | | |
|---|--|
| 1. Name of the post | Joint Director (Technical Education) |
| 2. Number of posts | 1 (One) |
| 3. Classification | Class-I (Gazetted) |
| 4. Scale of post/pay | Rs. 4125-125-5000-150-5600 |
| 5. Whether selection post or non-selection post. | Selection |
| 6. Age for direct recruitment | N. A. |
| 7. Minimum educational and other qualifications prescribed for direct recruits. | N. A. |
| 8. Whether age and educational qualification prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees. | N. A. |
| 9. Period of probation, if any | Two years subject to such further extension for a period not exceeding one year as may be ordered by the competent authority in special circumstances and reasons to be recorded in writing. |
| 10. Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion, deputation, transfer and the percentage of vacancies to be filled in by various methods. | 100% by promotion. |

11. In case of recruitment by promotion, deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer is to be made.

By promotion from amongst the Principal, Polytechnics possessing 3 years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* service (rendered upto 31-3-1991) if any, in the grade.

Note:—1. In all cases of promotion, the *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-91, if any prior to regular appointment, to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition:—

- (a) That in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-91) in the feeder post in view of the provisions referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above in the field of consideration.

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post whichever is less :

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the recruitments of the proceeding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

Explanation.—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be ex-servicemen recruited under the provisions of Rule 3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972, and having been given the benefit of seniority the reunder or recruited under the provisions of Rule-3 of Ex-servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical

Services) Rules, 1985 and have been given the benefit of seniority thereunder.

(b) Similarly, in all cases of confirmation, *ad hoc* service rendered on the feeder post upto 31-3-91 if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service:

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account *ad hoc* service rendered upto 31-3-1991 shall remain unchanged.

Note 2.—Provision of Rules 10 and 11 are to be revised by the Government in consultation with the Commission as and when the number of posts under Rule-2 are increased.

12. If a Departmental, Promotion Committee exists, what is its composition?

As may be constituted by the Government from time to time.

13. Circumstances under which the HPPSC is to be consulted in making recruitment.

As required under the law

14. Essential requirement for a direct recruitment.

N. A.

15. Selection for appointment to the post by direct recruitment.

N. A.

16. Reservation.

The appointment to the service shall be subject to orders regarding reservation in the service for Scheduled Castes/Scheduled Tribes/Backward class/other categories of persons issued by the Himachal Pradesh Government from time to time.

17. Departmental Examination

(1) Every member of the service shall pass a departmental examination as prescribed in the Departmental Examination Rules, 1976 as amended from time to time, failing which he shall not be eligible to ;—

(i) cross the efficiency bar next due;

(ii) confirmation in the service

even after completion of probationary period; and

(iii) promotion to the next higher post :

Provided that an officer who has qualified the departmental examination in whole or in part prescribed under any rules before the notification of these rules, of the examination as the case may be:

Provided further that an officer for whom no departmental examination was prescribed prior to the notification of these rules and who has attained the age of 45 years on the 1st March, 1976 shall not be required to qualify the departmental examination prescribed under these rules:

Provided further that an officer for whom no departmental examination was prescribed prior to the notification of these rules and who had not attained for age of 45 years on 1-3-76 shall not be required to qualify the departmental examination prescribed under these rules after attaining the age of 50 years for the purpose of (i) crossing of efficiency bar next due; and (ii) confirmation in the service after completion of probationary period.

(2) An officer, on promotion to higher post in his direct line of promotion shall not be required to pass the aforesaid examination if he has already passed the same in the lower gazetted post.

(3) The Government may in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, grant in exceptional circumstances and for reasons to be recorded in writing, exemption in accordance with the Departmental Examination Rules to any class or category of persons from the depart-

mental examination in whole or in part provided that such officer is not likely to be considered for any other higher promotion before the date of his superannuation.

18. Power to relax

Where the State Government is of the opinion that is necessary or expedient so to do, it may by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the H.P.S.C. relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.